Shreemad Bhagawad Geeta: श्रीमद् - भगवद् - गीता

अथ दैवासुरसम्पद्विभाग योगो नाम षोडशोऽध्यायः॥

श्री भगवान् उवाच ।

अभयम् सत्त्व संशुद्धिः ज्ञान योग व्यवस्थितिः ।

दानम् दमः च यज्ञः च स्वाध्यायः तपः आर्जवम् ॥ १६ - १ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
श्री भगवान् उवाच	Shree Bhagavaan Uvaacha	The Blessed Lord said	श्री भगवान् ने कहा	श्री भगवान म्हणाले
अभयम्	Abhayam	fearlessness	भयका सर्वथा अभाव	भयाचा पूर्णपणे अभाव
सत्त्वसंशुद्धिः	Sattva SaMshuddhiH	purity of Heart (AntaHkaraNa)	अन्तःकरण की पूर्ण निर्मलता	अंतःकरणाची पूर्ण निर्मलता
ज्ञान	Dnyaana	knowledge	तत्त्वज्ञान के लिये	तत्त्वज्ञानासाठी
योग	Yoga	joining with the Self	ध्यानयोग में	ध्यानयोगात
व्यवस्थितिः	VyavasthitiH	steadfastness	निरन्तर दृढ स्थिति	निरंतर दृढस्थिती
दानम्	Daanam	charity	सात्त्विक दान	सात्त्विक दान
दमः	DamaH	self-restraint	इंद्रियों का दमन	इंद्रियांचे दमन
च	Cha	and	और	आणि
यज्ञः	YadnyaH	sacrifice	भगवान् देवता और गुरुजनोंकी पूजा तथा अग्निहोत्रादि उत्तम कर्मोंका आचरण	पूजा तसेच अग्निहोत्र इत्यादी उत्तम कर्मांचे आचरण
च	Cha	and	और	आणि
स्वाध्यायः	SvaadhyaayaH	Study of self and Vedas	एवं वेद शास्त्रोंका पठन और पाठन तथा भगवान् के नाम और गुणोंका कीर्तन	वेद शास्त्रे यांचे पठण, पाठण आणि भगवंताचे नाम व गुण यांचे कीर्तन
तपः	TapaH	austerity	स्वधर्मपालन के लिये कष्ट सहना	कायिक वाचिक व मानसिक तप
आर्जवम्	Aarjavam	Uprightness	और शरीर तथा इंद्रियोंके सहित अन्तःकरण की सरलता	आणि ऋजुता

अन्वय :- श्री भगवान् उवाच - अभयम् , सत्व - संशुद्धिः , ज्ञान - योग – व्यवस्थितिः , दानम् , दमः च यज्ञः च , स्वाध्यायः , तपः , आर्जवम् ॥ १६ - १ ॥

English translation:-

The Blesses Lord said, “Fearlessness, purity of heart, steadfastness in knowledge and Yoga, charity, self-restraint, sacrifice, study of the Self, austerity and uprightness”.

हिन्दी अनुवाद :-

श्री भगवान् बोले , “ भयका सर्वथा अभाव , अन्तःकरणकी पूर्ण निर्मलता , तत्वज्ञानके लिये ध्यानयोगमें निरन्तर दृढ स्थिति और सात्विक दान , इन्द्रियोंका दमन , भगवान् देवता तथा गुरुजनोंकी पूजा तथा अग्निहोत्र आदि उत्तम कर्मोंका आचरण एवं वेद - शास्त्रोंका पठन , पाठन तथा भगवान् के नाम और गुणोंका कीर्तन , स्वधर्म पालनके लिये कष्टसहन और शरीर तथा इन्द्रियोंके सहित अन्तःकरणकी सरलता । “

मराठी भाषान्तर :-

भगवान म्हणाले , “ निर्भयता , अंतःकरणाची शुद्धता , आत्मज्ञानात दृढनिष्ठा , दानीवृत्ती , इन्द्रियांचा निग्रह , त्यागीवृत्ती , आत्मविद्येचे अध्ययन , तपनिष्ठा आणि अन्तःकरणाचा सरळपणा… ”.

विनोबांची गीताई :-

निर्भयत्व मनःशुद्धि योग ज्ञानीं सुनिश्चय
यज्ञ निग्रह दातृत्व स्वाध्याय ऋजुता तप ॥ १६ - १ ॥

अहिंसा सत्यम् अक्रोधः त्यागः शान्तिः अपैशुनम् ।

दया भूतेषु अलोलुप्त्वम् मार्दवम् ह्रीः अचापलम् ॥ १६ - २ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अहिंसा	Ahimsaa	harmlessness	मन वाणी और शरीर से किसी प्रकार भी किसीको कष्ट न देना	मन वाणी आणि शरीर यांच्याद्वारा कोणत्याही प्रकाराने कुणालाही त्रास न देणे
सत्यम्	Satyam	truth	यथार्थ आणि प्रिय भाषण	यथार्थ आणि प्रिय भाषण
अक्रोधः	AkrodhaH	absence of anger	अपना अपकार करनेवालेपर भी क्रोधका न होना	आपल्यावर अपकार करणाऱ्यावरसुद्धा न रागावणे
त्यागः	TyaagaH	renunciation	कर्मोंमें कर्तापन के अभिमान का त्याग	कर्मांमध्ये कर्तेपणाच्या अभिमानाचा त्याग
शान्तिः	ShaantiH	peace	अन्तःकरण की उपरति अर्थात् चित्त की चंचलता का अभाव	अंतःकरणाची उपरती म्हणजेच चित्ताच्या चंचलतेच्या अभाव
अपैशुनम्	Apaishuna m	absence of calumny / crookedness	किसीकी भी निन्दादि न करना	सौजन्य
दया	Dayaa	compassion	हेतुरहित दया	निर्हेतुक दया
भूतेषु	BhuuteShu	for beings	सब भूतप्राणियों में	सर्व प्राणिमात्रांप्रती
अलोलुप्त्वम्	Aloluptvam	uncovetousne ss	इन्द्रियोंका विषयोंके साथ संयोग होनेपर भी उन में आसक्तिका न होना	इंद्रियांचा विषयांशी संयोग झाला असताना सुद्धा त्यामध्ये आसक्ती नसणे
मार्दवम्	Maardavam	gentleness	कोमलता	कोमलता
ह्रीः	HriiH	modesty	शास्त्र से विरुद्ध आचरण में लज्जा	लोकलज्जा
अचापलम्	Achaapalam	absence of fickleness	और व्यर्थ चेष्टाओंका अभाव	व्यर्थ क्रियांचा अभाव

अन्वय :-

अहिंसा , सत्यम् , अक्रोधः , त्यागः , शान्तिः , अपैशुनम् , भूतेषु दया , अलोलुप्त्वम् , मार्दवम् , ह्रीः , अचापलम् ॥ १६ - २ ॥

English translation:-

Harmlessness, truth, absence of anger, renunciation, peace, absence of calumny, compassion for beings, uncovetousness, gentleness, modesty, absence of fickleness.

हिन्दी अनुवाद :- मन वाणी और शरीरसे किसी प्रकार भी किसीको कष्ट न देना , यथार्थ और प्रिय भाषण , अपना अपकार करनेवालेपर भी क्रोधका न होना , कर्मोंके कर्तापनके अभिमानका त्याग , अन्तःकरणकी उपरति अर्थात् चित्तकी चञ्चलताका अभाव , किसीकी भी निन्दादि न करना , सब भूतप्राणियोंमें हेतुरहित दया , इन्द्रियोंका विषयोंके साथ संयोग होनेपर भी उनमें आसक्तिका न होना , कोमलता , लोक और शास्त्रसे विरुद्ध आचरणमें लज्जा और व्यर्थ चेष्टाओंका अभाव ।

मराठी भाषान्तर :-

अहिंसा , सत्य , क्रोधावर संयम , कर्मफळ - त्याग , मनाची शांती , चहाडी न करणे , प्राणिमात्रांविषयी प्रेम , निर्लोभता , कोमलता , लोकलज्जा , व्यर्थ चेष्टांचा अभाव...

विनोबांची गीताई :-

अहिंसा शांति अक्रोध त्याग सौजन्य सत्यता
अलुब्धता दया भूतीं मर्यादा स्थैर्य मार्दव ॥ १६ - २ ॥

तेजः क्षमा धृतिः शौचम् अद्रोहः न अतिमानिता ।

भवन्ति सम्पदम् दैवीम् अभिजातस्य भारत ॥ १६ - ३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तेजः	TejaH	vigour / spiritual lustre	तेज	तेज
क्षमा	Kshamaa	forgiveness	क्षमा	क्षमा
धृतिः	DhrutiH	steadfastness	धैर्य	धैर्य
शौचम्	Shaucham	purity	बाहर की शुद्धि	अंतर व बाहेरची शुद्धी
अद्रोहः	AdrohaH	absence of malice	एवं किसी में भी शत्रुभाव का न होना	कुणाच्याही आणि कोणत्याही ठिकाणी शत्रूभाव नसणे
न - अतिमानिता	Na - Atimaanitaa	Not too much of pride	और अपने में पूज्यता के अभिमान का अभाव	आणि स्वतःच्या ठिकाणी मोठेपणाच्या अभिमानाचा अभाव
भवन्ति	Bhavanti	belong	हैं	आहेत
सम्पदम्	Sampadam	state	सम्पदा	संपत्ती
दैवीम्	Daiviima	divine	दैवी	दैवी
अभिजातस्य	Abhijaatasya	of the born	को लेकर उत्पन्न हुए पुरुष के लक्षण	घेऊन उत्पन्न झालेल्या पुरुषाची लक्षणे
भारत	Bhaarata	O Arjuna!	हे अर्जुन ! (ये सब तो)	हे अर्जुना ! (ही सर्व तर)

अन्वय :-

(हे) भारत ! तेजः , क्षमा , धृतिः , शौचम् , अद्रोहः , न अतिमानिता (इति एतानि लक्षणानि) दैवीम् सम्पदम् अभिजातस्य (पुरुषस्य) भवन्ति ॥ १६ - ३ ॥

English translation:-

O Arjuna! Spiritual lustre, forgiveness, steadfastness, purity, absence of malice, absence of too much pride – these belong to one, who is born of divine state.

हिन्दी अनुवाद :-

तेज क्षमा धैर्य बाहरकी शुद्धि एवं किसीमें भी शत्रुभावका न होना और अपनेमें पूज्यताके अभिमानका अभाव ये सब तो हे अर्जुन ! दैवी सम्पदाको लेकर उत्पन्न हुए पुरुषके लक्षण हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! तेजस्विता , क्षमा , धैर्य , अंतर्बाह्य शुद्धता , दुसऱ्याचा द्वेष न करणे , अहंमन्यता नसणे ही दैवी संपत्ती घेऊन जन्मलेल्या पुरुषाची (सव्वीस गुण) लक्षणे आहेत .

विनोबांची गीताई :-

पवित्रता क्षमा तेज धैर्य अद्रोह नम्रता
हे त्याचे गुण ज़ो आला दैवी संपत्ति घेऊनी ॥ १६ - ३ ॥

दम्भः दर्पः अभिमानः च क्रोधः पारुष्यम् एव च ।

अज्ञानम् च अभिजातस्य पार्थ सम्पदम् आसुरीम् ॥ १६ - ४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
दम्भः	DambhaH	ostentation / hypocrisy	दम्भ	दंभ
दर्पः	DarpaH	arrogance	घमण्ड	घमेंड
अभिमानः	AbhimaanaH	self-conceit	अभिमान	अभिमान
च	Cha	and	और	आणि
क्रोधः	KrodhaH	anger / wrath	क्रोध	राग
पारुष्यम्	PaaruShyam	harshness	कठोरता	कठोरपणा
एव	Eva	even	भी	सुद्धा
च	Cha	and	और	तसेच
अज्ञानम्	Adnyaanam	ignorance	अज्ञान	अज्ञान
च	Cha	and	तथा	आणि
अभिजातस्य	Abhijaatasya	of the born	लेकर उत्पन्न हुए पुरुष के लक्षण हैं	उत्पन्न झालेल्या पुरुषाची लक्षणे आहेत
पार्थ	Paartha	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
सम्पदम्	Sampadam	state / nature	सम्पदा को	संपदा घेऊन
आसुरीम्	Aasuriim	demoniac	ये सब आसुरी	ही सर्व आसुरी

अन्वय :-

(हे) पार्थ ! दम्भः , दर्पः , अभिमानः च , क्रोधः , पारुष्यम् , एव च अज्ञानम् च (एतानि लक्षणानि) आसुरीम् सम्पदम् अभिजातस्य (पुरुषस्य भवन्ति) ॥ १६ - ४ ॥

English translation:-

Ostentation, arrogance, self-conceit and anger, also harshness and ignorance belong to one, who is born of demoniac state.

हिन्दी अनुवाद :-

हे पार्थ ! दम्भ , घमण्ड और अभिमान तथा क्रोध , कठोरता और अज्ञान भी - ये सब आसुरी सम्पदाको लेकर उत्पन्न हुए पुरुषके लक्षण हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! दांभिकपणा , घमेंड , गर्व , रागीटवृत्ती , कठोरपणा आणि अज्ञान ही आसुरी संपत्ती घेऊन जन्मलेल्या पुरुषांची (सहा गुण) लक्षणे आहेत .

विनोबांची गीताई :-

दंभ मीपण अज्ञान क्रोध दर्प कठोरता
लाभती गुण हे त्यास ज्याची संपत्ति आसुरी ॥ १६ - ४ ॥

दैवी सम्पत् विमोक्षाय निबन्धाय आसुरी मता ।

मा शुचः सम्पदम् दैवीम् अभिजातः असि पाण्डव ॥ १६ - ५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
दैवी	Daivii	divine	दैवी	दैवी
सम्पत्	Sampat	nature	सम्पदा	संपदा
विमोक्षाय	Vimokshaaya	for liberation	मुक्ति के लिये	मोक्षाला
निबन्धाय	Nibandhaaya	for bondage	बाँधने के लिये	संसार बंधनाला
आसुरी	Aasurii	demoniac	और आसुरी सम्पदा	आणि आसुरी संपदा
मता	Mataa	in thought / is deemed	मानी गयी है	कारणीभूत मानली गेली आहे
मा	Maa	do not	मत	नकोस
शुचः	ShuchaH	grieve	तुम शोक करना	तू शोक करू
सम्पदम्	Sampadam	state / nature	सम्पदा को	संपदा
दैवीम्	Daiviim	divine	क्योंकि दैवी	कारण दैवी
अभिजातः	AbhijaataH	born of	तुम लेकर जन्म प्राप्त	घेऊन तू उत्पन्न झालेला
असि	Asi	You are	कर चुके हो	आहेस
पाण्डव	PaaNDava	O Arjuna!	इसलिये हे अर्जुन !	म्हणून हे अर्जुना !

अन्वय :-

दैवी सम्पत् विमोक्षाय, आसुरी (सम्पत् च) निबन्धाय मता। (हे) पाण्डव ! (त्वम्) दैवीम् सम्पदम् अभिजातः असि , मा शुचः ॥ १६ - ५ ॥

English translation:-

The divine nature is deemed for liberation from the cycle of life and death whereas the demoniac state is for bondage in this mortal world. O Arjuna! Do not grieve as you are born of divine nature.

हिन्दी अनुवाद :-

दैवी सम्पदा मुक्तिके लिये और आसुरी सम्पदा बाँधनेके लिये मानी गयी है। इसलिये, हे अर्जुन! तुम शोक मत करो; क्योंकि तुम दैवी सम्पदाको लेकर, जन्म ले चुके हो।

मराठी भाषान्तर :-

दैवी वृत्ती (जन्म - मृत्यु) बंधनातून मुक्त करणारी तर आसुरी वृत्ती (जन्म - मृत्यु) बंधनात टाकणारी आहे असे समजले जाते. हे अर्जुना! तू दैवी संपत्तीसह जन्मलेला असल्यामुळे व्यर्थ शोक करू नकोस.

विनोबांची गीताई :-

सुटका करिते दैवी आसुरी बंध घालिते

भिऊं नको चि आलास दैवी संपत्ति ज़ोडुनी ॥ १६ - ५ ॥

द्वौ भूतसर्गौ लोके अस्मिन् दैवः आसुर एव च ।

दैवः विस्तरशः प्रोक्तः आसुरम् पार्थ मे श्रुणु ॥ १६ - ६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
द्वौ	Dvau	two	दो प्रकारका है	दोनच प्रकारचे आहेत
भूतसर्गौ	Bhuuta-Sargau	types of created beings	भूतों की सृष्टि यानी मनुष्यसमुदाय	भूतांची सृष्टी म्हणजे मनुष्य समुदाय
लोके	Loke	in world	लोक में	पृथ्वीतलावर
अस्मिन्	Asmin	in this	इस	या
दैवः	DaivaH	divine	एक तो दैवी प्रकृतीवाला	एक तर दैवी प्रकृती असणारा
आसुर	Aasura	demoniac	दूसरा आसुरी प्रकृतिवाला	दुसरा आसुरी प्रकृती असणारा
एव	Eva	even	ही	केवळ
च	Cha	and	और	आणि
दैवः	DaivaH	divine	उनमें से दैवी प्रकृतिवाला	त्यामधील दैवी प्रकृती असणारा तर
विस्तरशः	VistarashaH	in detail	तो विस्तारपूर्वक	विस्तारपूर्वक
प्रोक्तः	ProktaH	spoken	कहा गया	सांगितला गेला आहे
आसुरम्	Aasuram	demoniac	अब तुम आसुरी प्रकृतिवाले मनुष्यसमुदाय को भी	आसुरी प्रकृती असणाऱ्या मनुष्यसमुदायाबाबत
पार्थ	Paartha	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
मे	Me	of Me	विस्तारपूर्वक मुझसे	विस्तारपूर्वक माझ्याकडून
श्रुणु	ShruNu	hear / listen	तुम सुनो	तू ऐक

अन्वय :-

(हे) पार्थ ! अस्मिन् लोके दैवः आसुर च एव द्वौ भूतसर्गौ (स्तः तत्र) दैवः विस्तरशः प्रोक्तः , आसुरम् मे श्रुणु ॥ १६ - ६ ॥

English translation:-

O Arjuna! There are two types of beings created in this world, the divine and the demonic ones. The divine has been described in detail. Now hear from me, the characteristics of the demonic ones.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! इस लोकमें भूतोंकी सृष्टि यानी मनुष्यसमुदाय दो ही प्रकारका है , एक तो दैवी तथा दूसरा आसुरी प्रकृतिवाला । उनमेंसे दैवी प्रकृतिवाला तो विस्तारपूर्वक मुझसे कहा गया है , अब तुम आसुरी प्रकृतिवाले मनुष्यसमुदायको भी विस्तारपूर्वक मुझसे सुनो ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! या पृथ्वीतलावर दैवी आणि आसुरी अशी दोन प्रकारची सृष्टी उत्पन्न झाली आहे . यापैकी दैवी सृष्टीचे वर्णन विस्ताराने अगोदर सांगितले आहे . आता आसुरी सृष्टीचे वर्णन , तू माझ्याकडून ऐक .

विनोबांची गीताई :-

भूत - सृष्टि जगीं दैवी आणिक आसुरी
विस्तारें वर्णिली दैवी आसुरी ऐक सांगतों ॥ १६ - ६ ॥

प्रवृत्तिम् च निवृत्तिम् च जनाः न विदुः आसुराः ।
न शौचम् न अपि च आचारः न सत्यम् तेषु विद्यते ॥ १६ - ७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
प्रवृत्तिम्	Pravruttim	action	प्रवृत्ति	प्रवृत्ती
च	Cha	And	और	आणि
निवृत्तिम्	Nivruttim	inaction	निवृत्ति इन दोनोंको भी	निवृत्ती या दोन्ही गोष्टी
च	Cha	and	और	आणि
जनाः	JanaaH	people	मनुष्य	पुरुष
न	Na	not	नहीं	नाहीत
विदुः	ViduH	know	जानते	जाणत
आसुराः	AasuraaH	demoniac ones	आसुर स्वभाववाले	आसुरी स्वभाव असणारे
न	Na	not	न तो	नसतेच
शौचम्	Shaucham	purity	बाहर भीतर की शुद्धि है	अंतर बाहेरची शुद्धी
न	Na	not	न	नसते
अपि	Api	also	ही	सुद्धा
च	Cha	and	और	आणि
आचारः	AachaaraH	good conduct	श्रेष्ठ आचरण है	श्रेष्ठ आचरण
न	Na	not	न	नाही
सत्यम्	Satyam	truth	सत्यभाषण	सत्य भाषण
तेषु	TeShu	in them	इसलिये उनमें	त्यांच्या ठिकाणी
विद्यते	Vidyate	is	है	असत

अन्वय :-

आसुराः जनाः प्रवृत्तिम् च निवृत्तिम् च न विदुः , तेषु च न शौचम् , न आचारः , न अपि सत्यम् विद्यते ॥ १६ - ७ ॥

English translation:-

The demonic people do not know action from inaction. Also neither purity nor good conduct nor truth is found in them.

हिन्दी अनुवाद :-

आसुर स्वभाववाले मनुष्य प्रवृत्ति और निवृत्ति इन दोनोंको ही नहीं जानते। इसलिये उनमें न तो बाहर भीतरकी शुद्धि है , न श्रेष्ठ आचरण है और न सत्य भाषण ही है।

मराठी भाषान्तर :-

केंव्हा काय करावे (प्रवृत्ती) आणि केंव्हा काय करू नये (निवृत्ती) हे आसुरी लोकांना कळत नाही . शुचिर्भूतपणा , सदाचार व सत्य हे (गुण) त्यांच्या ठिकाणी नसतात .

विनोबांची गीताई :-

कृताकृत्य कसें काय नेणती आसुरी जण

न स्वच्छता न आचार ज़ाणती ते न सत्य हि ॥ १६ - ७ ॥

असत्यम् अप्रतिष्ठम् ते जगत् आहुः अनीश्वरम् ।

अपरस्परसंभूतम् किम् अन्यत् कामहैतुकम् ॥ १६ - ८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
असत्यम्	Asatyam	without truth / unrealistic	सर्वथा असत्य	सर्वथा असत्य
अप्रतिष्ठम्	ApratiShTam	without foundation / moral basis	आश्रयरहित	आश्रयरहित
ते	Te	they	वे आसुरी प्रकृतिवाले पुरुष	ते आसुरी प्रकृती असणारे पुरुष
जगत्	Jagat	world	जगत्	जग हे
आहुः	AahuH	say	कहा करते हैं कि	म्हणतात की
अनीश्वरम्	Aneeshvaram	without a God / Lord	और बिना ईश्वरके	आणि ईश्वराशिवाय
अपरस्परसंभूतम्	Aparaspara-Sambhuutam	born of mutual union	अपने आप केवल स्त्री पुरुष के संयोग से उत्पन्न है	आपोपच केवळ स्त्री पुरुषांच्या संयोगाने अथवा संभोगाने उत्पन्न झाले आहे
किम्	Kim	what	और क्या है ?	काय आहे ?
अन्यत्	Anyat	else	इसके सिवा	याशिवाय आणखी
कामहैतुकम्	Kaama-Haitukam	caused by lust	अत एव केवल काम ही इसका कारण है	म्हणून केवळ कामच याचे कारण आहे

अन्वय :-

(इदम्) जगत् असत्यम् , अप्रतिष्ठम् , अनीश्वरम् , अपरस्परसंभूतम् , कामहैतुकम् (च अस्ति) ; अन्यत् किम् (इति ते) आहुः ॥ १६ - ८ ॥

English translation:-

They say, "The world is unreal, without a moral foundation, without any God, born of mutual union caused by lust – what else?"

हिन्दी अनुवाद :-

वे आसुरी प्रकृतिवाले मनुष्य कहा करते हैं कि जगत् आश्रयरहित सर्वथा असत्य और बिना ईश्वरके अपने आप ही केवल स्त्री-पुरुषोंके संभोगसे उत्पन्न हुआ है। अतएव केवल काम ही इसका कारण है। इसके सिवा और क्या है ?

मराठी भाषान्तर :-

हे जगत् असत्य आहे , निराधार आहे आणि येथे परमेश्वर म्हणून कोणीही नाही ; परस्पर संबंधापासून येथे सर्व उत्पत्ती होत असल्याने , विषयभोगाशिवाय याचा दुसरा हेतु नाही असेच ते समजतात .

विनोबांची गीताई :-

म्हणती लटिकें विश्व निराधार निरीश्वर
काम मूलक हें सारें कोठलें सह कार्य तें ॥ १६ - ८ ॥

एताम् दृष्टिम् अवष्टभ्य नष्टात्मानः अल्पबुद्धयः ।

प्रभवन्ति उग्रकर्माणः क्षयाय जगतः अहिताः ॥ १६ - ९ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
एताम्	Etaam	this	इस	या वर उल्लेखिलेल्या
दृष्टिम्	DruShTim	view	मिथ्या ज्ञान को	दृष्टीकोनाचा
अवष्टभ्य	AvaStTabhya	holding	अवलम्बन करने से	अवलंब करून
नष्टात्मानः	NaShTa-AatmaanaH	ruined souls	जिनका मूल निर्विकार स्वभाव नष्ट हो गया है	ज्यांची बुद्धी भ्रष्ट झाली आहे
अल्पबुद्धयः	Alpa-BuddhayaH	of small intellect	तथा जिन की बुद्धि मन्द है	तसेच ज्यांची बुद्धी मंद आहे
प्रभवन्ति	Prabhavanti	come forth	समर्थ होते हैं	उत्पन्न होतात
उग्रकर्माणः	Ugra-KarmaaNaH	of fierce deeds	क्रूरकर्मी मनुष्य	क्रूरकर्मी पुरुष
क्षयाय	Kshayaaya	for destruction	नाश के लिये ही	नाशासाठीच
जगतः	JagataH	of the world	केवल जगत् के	केवळ जगाच्या
अहिताः	AhitaaH	enemies	वे सबका अपकार करनेवाले	असे ते सर्वांचे अहित करणारे

अन्वय :-

एताम् दृष्टिम् अवष्टभ्य नष्टात्मानः अल्पबुद्धयः प्रभवन्ति उग्रकर्माणः क्षयाय जगतः अहिताः ॥ १६ - ९ ॥

English translation:-

Holding this view, these ruined souls of small intellect, of fierce deeds, rise as the enemies of the world for its destruction.

हिन्दी अनुवाद :-

इस मिथ्या ज्ञानको अवलम्बन कर जिनका स्वभाव नष्ट हो गया है तथा जिनकी बुद्धि मन्द है, वे सबका अपकार करनेवाले क्रूरकर्मी मनुष्य, केवल जगत् के नाशके लिये ही समर्थ होते हैं।

मराठी भाषान्तर :-

या (आसुरी) दृष्टीचा आश्रय घेऊन, बुद्धिभ्रष्ट झालेले, अल्पबुद्धीचे, क्रूरकर्म करणारे , सर्वांचे अहित करणारे आसुरी लोक जगाच्या नाशासाठीच जन्माला येतात.

विनोबांची गीताई :-

स्वीकारुनी अशी दृष्टि नष्टात्मे ज्ञान हीन ते
जगताच्या क्षयासाठीं निघाले रिपु हिंसक ॥ १६ - ९ ॥

कामम् आश्रित्य दुष्पुरम् दम्भः मानः मदः अन्विताः ।

मोहात् गृहीत्वा असद् - ग्राहान् प्रवर्तन्ते अशुचिव्रताः ॥ १६ - १० ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
कामम्	Kaamam	desire	कामनाओं का	कामनांचा
आश्रित्य	Aashritya	abiding in	आश्रय लेकर	आश्रय घेऊन
दुष्पुरम्	DuShpuram	insatiable	किसी प्रकार भी पूर्ण न होनेवाली	ते कोणत्याही पूर्ण न होणाऱ्या
दम्भः	DambhaH	hypocrisy	दम्भ	दंभ
मानः	MaanaH	pride	मान	मान
मदः	MadaH	arrogance	और मद से	आणि मद
अन्विताः	AnvitaaH	overpowered by	युक्त मनुष्य	यांनी युक्त पुरुष
मोहात्	Mohaat	from delusion	अज्ञान से	अज्ञानामुळे
गृहीत्वा	Gruhiitvaa	having held / gripped	ग्रहण कर	ग्रहण करून
असद् - ग्राहान्	Asad - Graahaan	evil ideas	मिथ्या सिद्धान्तों को	खोट्या सिद्धांतांचे
प्रवर्तन्ते	Pravartante	they work	संसार में जीवन बिताते हैं	जगात वावरत असतात
अशुचिव्रताः	A-Shuchi-VrataaH	with impure resolves	और भ्रष्ट आचरणों को धारण कर	भ्रष्ट आचरण धारण करून

अन्वय :-

दुष्पुरम् कामम् आश्रित्य , मोहात् असद् - ग्राहान् गृहीत्वा , अशुचिव्रताः दम्भः - मानः - मदः - अन्विताः प्रवर्तन्ते ॥ १६ - १० ॥

English translation:-

Abiding in insatiable desires, overpowered by hypocrisy, pride and arrogance, gripped by evil ideas through delusion, they work with impure resolves.

हिन्दी अनुवाद :-

वे दम्भ , मान और मदसे युक्त मनुष्य किसी प्रकार भी पूर्ण न होनेवाली कामनाओंका आश्रय लेकर , अज्ञानसे मिथ्या सिद्धान्तोंको ग्रहण करके और भ्रष्ट आचरणोंको धारण करके संसारमें विचरते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

कधीही पूर्ण न होणाऱ्या विषयभोगांचा आश्रय घेऊन ; दंभ , मान आणि मद वगैरेंनी युक्त असलेले आसुरी लोक , खोट्या गोष्टी प्रमाण मानून , पापाचरणामध्ये प्रवृत्त होतात .

विनोबांची गीताई :-

काम दुर्भर सेवूनि मानी दांभिक माज़ले

दुराग्रह बळें मूढ करिती पाप निश्चयें ॥ १६ - १० ॥

चिन्ताम् अपरिमेयाम् च प्रलयान्ताम् उपाश्रिताः ।

काम उपभोगः परमाः एतावत् इति निश्चिताः ॥ १६ - ११ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
चिन्ताम्	Chintaam	anxiety	चिन्ताओंका	चिंतांचा
अपरिमेयाम्	A-Parimeyaam	immense / immeasurable	असंख्य	अनंत
च	Cha	and	और	आणि
प्रलयान्ताम्	Pralaya-Antaam	ending only with death	मृत्यु समय तक रहनेवाली	मृत्यूपर्यंत टिकून राहणाऱ्या
उपाश्रिताः	Upa-AashritaaH	refused in	आश्रय लेनेवाले	आश्रय घेणारे
काम	Kaama	sensual	विषय	विषय
उपभोगः	Upa-BhogaH	enjoyments	भोगों के	भोग
परमाः	ParamaaH	(their) highest aim	भोगने में तत्पर रहनेवाले	भोगण्यामध्ये तत्पर असणारे
एतावत्	Etaavat	that is all	इतना ही सुख है	इतकेच सुख आहे
इति	Iti	thus	इस प्रकार	असे
निश्चिताः	NishchitaaH	feeling sure	माननेवाले होते हैं	समजणारे असतात

अन्वय :-

(ते) अपरिमेयाम् प्रलयान्ताम् च चिन्ताम् उपाश्रिताः , काम उपभोगः परमाः , एतावत् इति निश्चिताः ॥ १६ - ११ ॥

English translation:-

Beset with immense anxiety ending only with death, with sensual enjoyments their highest aim, feeling sure that “this is all”.

हिन्दी अनुवाद :-

तथा वे मृत्युपर्यन्त रहनेवाली असंख्य चिन्ताओंका आश्रय लेनेवाले , विषयभोगोंके भोगनेमें तत्पर रहनेवाले और “ इतना ही सुख है “ इस प्रकार माननेवाले होते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

मृत्युकाळपर्यन्त अनंत चिंतांनी त्रस्त झालेले आणि विषय उपभोगामध्ये रममाण झालेले , आसुरी लोक हाच परम पुरुषार्थ आहे असे मानतात .

विनोबांची गीताई :-

अपार धरिती चिंता जी मेल्या हि सरे चि ना

गढले काम भोगांत ज्रणूं सर्वस्व मानुनी ॥ १६ - ११ ॥

आशा - पाश - शतैः बद्धाः काम - क्रोध - परायणाः ।

ईहन्ते काम - भोग - अर्थम् अ - न्यायेन अर्थसंचयान् ॥ १६ - १२ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
आशा	Aashaa	hope	आशाकी	आशेच्या
पाश	Paasha	bands	फाँसियों से	जाळयांत
शतैः	ShataiH	hundreds of	सैकडों	शेकडो
बद्धाः	BaddhaaH	bound	बँधे हुए मनुष्य	गुरफटलेली ती माणसे
काम	Kaama	lust	काम	काम
क्रोध	Krodha	wrath	और क्रोध के	आणि क्रोध
परायणाः	ParaayaNaaH	considering as the supreme end	परायण होकर	यांना परायण होऊन
ईहन्ते	IihanTe	(they) strive	चेष्टा करते रहते हैं	कर्मे करीत राहतात
काम – भोग - अर्थम्	Kaama – Bhoga - Artham	for sensual enjoyment	विषय भोगोंके लिये	विषयभोगांच्यासाठी
अ - न्यायेन	A-Nyaayena	unjustly	अन्यायपूर्वक	अन्यायपूर्वक
अर्थसंचयान्	Artha-SaMchayaan	hoards of wealth	धनादि पदार्थोंका संग्रह करनेकी	धन इत्यादी पदार्थांचा संग्रह करण्यासाठी

अन्वय :-

(ते) आशा - पाश - शतैः बद्धाः , काम - क्रोध - परायणाः , काम - भोग - अर्थम् अ - न्यायेन अर्थसंचयान् ईहन्ते ॥ १६ - १२ ॥

English translation:-

Bound by hundreds of bands of hope, succumbing to lust and wrath, they strive to obtain hoards of wealth unjustly for sensual enjoyment.

हिन्दी अनुवाद :-

वे आशाकी सैकडों फासियोंसे बँधे हुए मनुष्य काम क्रोधके परायण होकर विषय भोगोंके लिये अन्यायपूर्वक धनादि पदार्थोंका संग्रह करनेकी चेष्टा करते हैं।

मराठी भाषान्तर :-

शेकडो आशापाशांनी गुरफटलेले (बद्ध झालेले) , काम - क्रोधाचे दास बनलेले , हे आसुरी लोक विषयभोग पूर्तीसाठी अन्यायाने द्रव्यसंचय करतात .

विनोबांची गीताई :-

आशेचे लेइले फांस काम - क्रोधांत तत्पर
भोगासाठीं अधर्मानें इच्छिती धन - संचय ॥ १६ - १२ ॥

इदम् अद्य मया लब्धम् इमम् प्राप्स्ये मनोरथम् ।

इदम् अस्ति इदम् अपि मे भविष्यति पुनः धनम् ॥ १६ - १३ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
इदम्	Idam	this	यह	हे
अद्य	Adya	today	आज	आज
मया	Mayaa	by me	मैंने	मी
लब्धम्	Labdham	has been gained	प्राप्त कर लिया है (और अब)	प्राप्त करून घेतले आहे
इमम्	Imam	this	इस	आणि आता हे
प्राप्स्ये	Praapsye	I shall obtain	प्राप्त कर लूँगा	मी लवकरच प्राप्त करून घेईन
मनोरथम्	Manoratham	object of desire	मनोरथ को	माझे मनोरथ
इदम्	Idam	this	मेरे पास इतना धन	माझ्याजवळ इतके धन
अस्ति	Asti	is	आज है	आज आहे
इदम्	Idam	this	यह	हे
अपि	Api	also	और भी	आणखीन सुद्धा
मे	Me	mine	मेरा	मी
भविष्यति	BhaviShyati	shall be	हो जायेगा	उद्या मिळवीन
पुनः	PunaH	again	फिर	पुन्हा
धनम्	Dhanam	wealth	धन	धन

अन्वय :-

अद्य इदम् मया लब्धम् , इमम् मनोरथम् (श्वः) प्राप्स्ये , इदम् (धनम् अधुना) अस्ति , इदम् अपि धनम् (च) मे भविष्यति पुनः ॥ १६ - १३ ॥

English translation:-

This today I have gained, this object of desire I shall obtain; this is mine, also this wealth shall continue to be mine in future.

हिन्दी अनुवाद :-

वे सोचा करते हैं कि मैंने आज यह प्राप्त कर लिया है और अब इस मनोरथको प्राप्त कर लूँगा। मेरे पास यह इतना धन है और फिर भी यह हो जायगा।

मराठी भाषान्तर :-

आज मी हे मिळविले आहे , उद्या ते मनोरथ पूर्ण करेन , आज माझ्याजवळ इतके धन आहे ; उद्या मी आणखीन मिळवीन .

विनोबांची गीताई :-

हें आज लाभलें आतां तो ज़ोडीन मनोरथ
हें आहे तें हि होईल माझें चि सगळें धन ॥ १६ - १३ ॥

असौ मया हतः शत्रुः हनिष्ये च अपरान् अपि ।
ईश्वरः अहम् अहम् भोगी सिद्धः अहम् बलवान् सुखी ॥ १६ - १४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
असौ	Asau	this	वह	या शत्रूला
मया	Mayaa	by me	मेरे द्वारा	मी
हतः	HataH	slain	मारा गया	ठार केले
शत्रुः	ShatruH	enemy	शत्रु	शत्रूंनाही
हनिष्ये	HaniShye	I shall slay	मैं मार डालूँगा	त्याचप्रमाणे मी मारीन
च	Cha	and	और	आणि
अपरान्	Aparaan	others	उन दूसरे शत्रुओंको	इतर
अपि	Api	also	भी	सुद्धा
ईश्वरः	IishvaraH	Lord	ईश्वर हूँ	ईश्वर आहे
अहम्	Aham	I am	मैं	मीच
अहम्	Aham	I am	मैं	मीच
भोगी	Bhogee	enjoyer	ऐश्वर्य को भोगनेवाला हूँ	भोगी
सिद्धः	SiddhaH	perfect	सब सिद्धियोंसे युक्त हूँ	सिद्ध
अहम्	Aham	I am	मैं	मीच
बलवान्	Balavaan	powerful	बलवान्	बलाढ्य
सुखी	Sukhee	happy	तथा सुखी हूँ	सुखी

अन्वय :-

असौ शत्रुः मया हतः , अपरान् अपि च हनिष्ये , अहम् ईश्वरः , अहम् भोगी अहम् सिद्धः , बलवान् सुखी (च अहम् अस्मि) ॥ १६ - १४ ॥

English translation:-

This enemy has been slain by me and others also I shall slay. I am the Lord. I am the enjoyer. I am the perfect, powerful and happy one.

हिन्दी अनुवाद :-

वह शत्रु मेरे द्वारा मारा गया और उन दूसरे शत्रुओंको भी मैं मार डालूँगा। मैं ईश्वर हूँ, ऐश्वर्यको भोगनेवाला हूँ। मैं सब सिद्धियोंसे युक्त हूँ और बलवान तथा सुखी हूँ।

मराठी भाषान्तर :-

या शत्रूला मी ठार केले त्याचप्रमाणे इतर शत्रूंनाही मी मारीन , मीच ईश्वर आहे , मीच भोगी आहे , मी सिद्ध आहे , मीच बलाढ्य आणि मीच सुखी आहे .

विनोबांची गीताई :-

मीं मारिला चि तो शत्रु मारीन दुसरे हि जे
मी स्वामी आणि मी भोक्ता सुखी मी सिद्ध मी बळी ॥ १६ - १४ ॥

आढ्यः अभिजनवान् अस्मि कः अन्यः अस्ति सदृशः मया ।

यक्ष्ये दास्यामि मोदिष्ये इति अज्ञान – विमोहिताः ॥ १६ - १५ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
आढ्यः	AaDhyaH	rich	बडा धनी (और)	श्रीमंत
अभिजनवान्	Abhijanavaan	well-born	बडे ऊँचे कुटुम्बवाला	कुलीन
अस्मि	Asmi	I am	मैं हूँ	मी आहे
कः	KaH	who	कौन	कोण
अन्यः	AnyaH	other	दूसरा	दुसरा
अस्ति	Asti	is	है	आहे
सदृशः	SadrushaH	equal	समान	सारखा
मया	Mayaa	to me	मेरे	माझ्या
यक्ष्ये	Yakshye	I will sacrifice	मैं यज्ञ करूँगा	मी यज्ञ करीन
दास्यामि	Daasyaami	I will give	मैं दान दूँगा	मी दान देईन
मोदिष्ये	ModiShye	I will rejoice	और आमोद प्रमोद करूँगा	मी मौजमजा करीन
इति	Iti	thus	इस प्रकार	अशाप्रकारे
अज्ञान – विमोहिताः	Adnyaana - VimohitaaH	deluded by ignorance	अज्ञान से मोहित रहनेवाले (यह आसुरी कोग होते हैं)	अज्ञानाने मोहित झालेले (हे आसुरी लोक असतात)

अन्वय :-

आढ्यः अभिजनवान् अस्मि , मया सदृशः कः अन्यः अस्ति ? (अहम्) यक्ष्ये , दास्यामि , मोदिष्ये इति अज्ञान – विमोहिताः (ते सन्ति) ॥ १६ - १५ ॥

English translation:-

“I am rich, well-born, who else is equal to me? I will sacrifice, I will give, I will rejoice” – thus are the deluded by ignorance.

हिन्दी अनुवाद :-

मैं बडा धनी और कुटुम्बवाला हूँ। मेरे समान दूसरा कौन है? मैं यज्ञ करूँगा दान दूँगा और मौज - मजा करूँगा। इस प्रकार अज्ञानसे मोहित रहनेवाले सोचते हैं।

मराठी भाषान्तर :-

मी श्रीमंत आणि कुलीन आहे. माझ्यासारखा दुसरा कोण आहे? मी यज्ञ करीन, मी दान देईन आणि मी मौजमजा करीन; अशाप्रकारे अज्ञानाने मोहित झालेले हे आसुरी लोक असतात.

विनोबांची गीताई :-

कुलीन मी चि संपन्न माझी ज़ोडी कुठें असे
यज्ञ - दान - विलासी मी जल्पती अज्ञ मोहित ॥ १६ - १५ ॥

अनेक - चित्त - विभ्रान्ताः मोह - जाल - समावृताः ।

प्रसक्ताः काम - भोगेषु पतन्ति नरके अशुचौ ॥ १६ - १६ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अनेक	Aneka	many	अनेक	अनेक
चित्त	Chitta	a fancy	प्रकार की कल्पनाओं से	प्रकारच्या कल्पनांनी
विभ्रान्ताः	VibraantaaH	bewildered	भ्रमित चित्तवाले	भ्रान्तचित्त झालेले
मोह	Moha	delusion	तथा मोहरूप	मोहरूपी
जाल	Jaala	web	जाल से	जाळयात
समावृताः	SamaavrutaaH	entangled	समावृत्त	गुरफटून गेलेले
प्रसक्ताः	PrasaktaaH	addicted	अत्यन्त आसक्त	अत्यंत आसक्त झालेले आसुर लोक
कामभोगेषु	Kaama-BhogeShu	sensual enjoyments	और विषय भोगोंमें	आणि विषयांच्या भोगांमध्ये
पतन्ति	Patanti	they fall	गिरते हैं	पडतात
नरके	Narake	into hell	आसुरलोग नरक में	नरकात
अशुचौ	Ashuchau	foul	महान् अपवित्र	अत्यंत अपवित्र अशा

अन्वय :-

अनेक - चित्त - विभ्रान्ताः , मोह - जाल - समावृताः , काम - भोगेषु प्रसक्ताः अशुचौ नरके पतन्ति ॥ १६ - १६ ॥

English translation:-

Bewildered by many a fancy, enmeshed in the web of delusion, addicted to sensual enjoyments, they fall into a foul hell.

हिन्दी अनुवाद :-

अनेक प्रकारसे भ्रमित चित्तवाले मोहरूप जालसे समावृत और विषयभोगोंमें अत्यन्त आसक्त वे आसुरलोग महान् अपवित्र नरकमें गिरते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

अनेक प्रकारांनी चित्त भ्रमिष्ट झालेले , मोहरूपी जाळयात फसलेले , विषयभोगात अत्यंत आसक्त , असे आसुरी लोक अपवित्र नरकात पडतात .

विनोबांची गीताई :-

भ्रमले चित्त भेदुनि मोह जाळांत गुंतले
पडती विषयासक्त नरकांत अमंगळ ॥ १६ - १६ ॥

आत्म - संभाविताः स्तब्धाः धन – मान - मद् - अन्विताः ।

यजन्ते नामयज्ञैः ते दम्भेन अविधि - पूर्वकम् ॥ १६ - १७ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
आत्म - संभाविताः	Aatma-SambhaavitaaH	self-conceited	अपने आप को ही श्रेष्ठ माननेवाले	स्वतःच स्वतःला मोठे मानणारे ते
स्तब्धाः	StabdhaaH	stubborn	घमण्डी पुरुष	घमेंडी पुरुष
धन	Dhana	wealth	धन	धन
मान	Maana	pride	और मान के	आणि मान
मद् - अन्विताः	Mada - AnvitaaH	overpowered by arrogance	मद से युक्त होकर (उन्मत्त होकर)	यांनी उन्मत्त होऊन
यजन्ते	Yajante	worship	यजन करते हैं	यज्ञ करतात
नामयज्ञैः	Naama-YadnaiH	sacrifices in name	केवल नाममात्र के यज्ञोंद्वारा	नाममात्र यज्ञकर्मांनी
ते	Te	they	वे आसुरी पुरुष	ते आसुरी पुरुष
दम्भेन	Dambhena	out of ostentation	पाखण्डसे	ढोंगीपणाने
अविधि - पूर्वकम्	Avidhi-Puurvakam	contrary to ordinance	शास्त्रविधिरहित	शास्त्रविधिहीन

अन्वय :-

आत्म - संभाविताः स्तब्धाः धन - मान - मद - अन्विताः , ते दम्भेन अविधि - पूर्वकम् नामयज्ञैः यजन्ते ॥ १६ - १७ ॥

English translation:-

Self-conceited, stubborn, overpowered by the pride and arrogance of wealth, they perform sacrifices in name, out of ostentation, contrary to ordinance.

हिन्दी अनुवाद :-

वे अपने आपको ही श्रेष्ठ माननेवाले घमण्डी पुरुष , धन और मानके मदसे युक्त होकर , केवल नाममात्रके यज्ञोंद्वारा पाखण्डसे शास्त्रविधिरहित यज्ञ करते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

आपली बढाई मारणारे , ताठ्याने वागणारे , धनमानाच्या मदाने मातलेले हे लोक , शास्त्रविधी सोडून दांभिकपणे केवळ नाममात्र यज्ञ करतात .

विनोबांची गीताई :-

स्वयं पूजित गर्विष्ठ धनें मानें मदांध ते
नांवाचे करिती यज्ञ दंभानें अव्यवस्थित ॥ १६ - १७ ॥

अहङ्कारम् बलम् दर्पम् कामम् क्रोधम् च संश्रिताः ।

माम् आत्मपरदेहेषु प्रद्विषन्तः अभ्यसूयकाः ॥ १६ - १८ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
अहङ्कारम्	Ahamkaaram	egoism	अहङ्कार	अहंकार
बलम्	Balam	power	शारीरिक बल	शारीरिक बळ
दर्पम्	Darpam	haughtiness	घमण्ड	घमेंड
कामम्	Kaamam	lust	कामना	कामना
क्रोधम्	Krodham	anger / wrath	क्रोधादि के	क्रोध
च	Cha	and	और	इत्यादींचा
संश्रिताः	SamshritaaH	refused in	परायण	आश्रय घेणारे
माम्	Maam	me	मुझ अन्तर्यामी से	मज अंतर्यामी परमेश्वराचा
आत्मपरदेहेषु	Aatma-para-deheShu	in their own and others' bodies	अपने और दूसरों के शरीर में स्थित	आपल्या स्वतःच्या व दुसऱ्यांच्या शरीरामध्ये स्थित असणाऱ्या
प्रद्विषन्तः	PradviShantaH	hating / detesting	द्वेष करनेवाले होते हैं	द्वेष करणारे असतात
अभ्यसूयकाः	Abhya-suuyakaaH	malicious people	दूसरों की निन्दा करनेवाले पुरुष	आणि दुसऱ्यांची निंदा करणारे पुरुष

अन्वय :-

अहङ्कारम् - बलम् - दर्पम् - कामम् - क्रोधम् च संश्रिताः आत्मपरदेहेषु (स्थितम्) माम् प्रद्विषन्तः अभ्यसूयकाः (च ते भवन्ति) ॥ १६ - १८ ॥

English translation:-

Given over to egoism, power, haughtiness, lust and wrath, the malicious people detest Me in their own and in others' bodies.

हिन्दी अनुवाद :-

वे अहंकार , बल , घमण्ड , कामना और क्रोधादिके परायण और दूसरोंकी निन्दा करनेवाले पुरुष अपने और दूसरोंके शरीरमें स्थित मुझ अन्तर्यामीसे द्वेष करनेवाले होते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

अहंकार , बळ , घमेंड , कामना व क्रोध यांचा आश्रय करून आपल्या व इतरांच्या देहांत राहणाऱ्या माझा (ईश्वराचा) द्वेष करणारे हे लोक सदैव निंदाच करतात .

विनोबांची गीताई :-

अहंकारें बळें दर्पें काम क्रोधें भरुनियां
माझा स्व - पर - देहांत करिती द्वेष मत्सरी ॥ १६ - १८ ॥

तान् अहम् द्विषतः क्रूरान् संसारेषु नराधमान् ।

क्षिपामि अजस्रम् अशुभान् आसुरीषु एव योनिषु ॥ १६ - १९ ॥

शब्द	शब्द - उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तान्	Taan	those	उन	त्या
अहम्	Aham	I	मैं	मी
द्विषतः	DviShataH	haters	द्वेष करनेवाले	द्वेष करणाऱ्या
क्रूरान्	Kruuraan	cruel	और क्रूरकर्मी	आणि क्रूरकर्मे करणाऱ्या
संसारेषु	SamsaareShu	in worlds	संसार में	संसारात
नराधमान्	Naraadhamaan	worst among men	नराधमों को	नराधमांना
क्षिपामि	Kshipaami	I hurl	मैं फेक देता हूँ	टाकीत असतो
अजस्रम्	Ajastram	for ever	बार बार	वारंवार
अशुभान्	Ashubhaan	evil-doers	पापाचारी	पापाचारी
आसुरीषु	AasuriiShu	in demons	आसुरी	आसुरी
एव	Eva	only	ही	केवळ
योनिषु	YoniShu	in wombs	योनियों में	योनींमध्ये

अन्वय :-

तान् द्विषतः क्रूरान् अशुभान् नराधमान् संसारेषु आसुरीषु एव योनिषु अजस्त्रम् अहम् क्षिपामि ॥ १६ - १९ ॥

English translation:-

These cruel haters, worst among men in this world, I hurl these evil-doers forever into the demonic wombs.

हिन्दी अनुवाद :-

उन द्वेष करनेवाले पापाचारी और क्रूरकर्मी नराधमोंको मैं संसारमें बार - बार आसुरी योनियोंमें ही डालता हूँ ।

मराठी भाषान्तर :-

ह्या नीच , द्वेषी , क्रूर व अमंगळ अशा नराधमांना मी (ईश्वर) या आसुरी योनींत पुनः पुन्हा फेकतो .

विनोबांची गीताई :-

द्वेषी क्रूर असे पापी संसारीं हीन ज़े जन
त्यांस मी टाकितों नित्य तशा योनींत आसुरी ॥ १६ - १९ ॥

आसुरीम् योनिम् आपन्नाः मूढाः जन्मनि जन्मनि ।

माम् अप्राप्य एव कौन्तेय ततः यान्ति अधमाम् गतिम् ॥ १६ - २० ॥

शब्द	शब्द - उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
आसुरीम्	Aasureem	demoniacal	आसुरी	आसुरी
योनिम्	Yonim	womb	योनिको	योनी
आपन्नाः	AapannaaH	entering into	प्राप्त होते हैं	प्राप्त करून घेतात
मूढाः	MuDhaaH	deluded	वे मूढ लोग	ते मूर्ख आसुरी पुरुष
जन्मनि	Janmani	in birth	जन्म	जन्म
जन्मनि	Janmani	after birth	जन्म में	जन्मांतरी
माम्	Maam	Me	मुझे	माझी
अप्राप्य	Apraapya	not having obtained	न प्राप्त होकर	प्राप्ती न होताच
एव	Eva	still	ही	केवळ
कौन्तेय	Kaunteya	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
ततः	TataH	thence	फिर उससे भी	उलट त्याहूनही
यान्ति	Yaanti	they go	प्राप्त होते हैं अर्थात् घोर नरकोंमें पडते हैं	प्राप्त होतात अर्थात घोर नरकात पडतात
अधमाम्	Adhamaam	lowest	अति नीच	अति नीच
गतिम्	Gatim	state	गतिको	गतीला

अन्वय :-

(हे) कौन्तेय ! आसुरीम् योनिम् आपन्नाः जन्मनि जन्मनि मूढाः (सन्तः) माम् अप्राप्य एव , ततः अधमाम् गतिम् यान्ति ॥ १६ - २० ॥

English translation:-

O Arjuna! Having fallen into demoniacal wombs the deluded, birth after birth without reaching Me, thence pass into a still lower state.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! वे मूढ मुझको न प्राप्त होकर ही जन्म - जन्ममें आसुरी योनिको प्राप्त होते हैं ; फिर उससे भी अति नीच गतिको प्राप्त होते हैं अर्थात् घोर नरकोंमें पडते हैं ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! ह्याप्रमाणे हे मूर्ख लोक , प्रत्येक जन्मात आसुरी योनींत उत्पन्न होतात आणि मला न पावता शेवटी अधोगतीला जातात .

विनोबांची गीताई :-

ज़ोडूनि आसुरी योनि जन्मजन्मांतरीं मग
मातें न मिळतां ज़ाती उतरोत्तर खालती ॥ १६ - २० ॥

त्रिविधम् नरकस्य इदम् द्वारम् नाशनम् आत्मनः ।

कामः क्रोधः तथा लोभः तस्मात् एतत् त्रयम् त्यजेत् ॥ १६ - २१ ॥

शब्द	शब्द - उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
त्रिविधम्	Trividham	triple	तीन प्रकार के	तीन प्रकारची
नरकस्य	Narakasya	of hell	नरक के	नरकाची
इदम्	Idam	this	ये	ही
द्वारम्	Dvaaram	gate	द्वार	द्वारे
नाशनम्	Naashanam	destruction	नाश करनेवाले अर्थात् उसको अधोगति में ले जानेवाले हैं	नाश करणारी म्हणजे त्याला अधोगतीला नेणारी आहेत
आत्मनः	AatmanaH	of the Self	आत्माका	आत्म्याचा
कामः	KaamaH	desire / lust	काम	काम
क्रोधः	KrodhaH	anger	क्रोध	क्रोध
तथा	Tathaa	also	तथा	आणि
लोभः	LobhaH	greed	लोभ	लोभ
तस्मात्	Tasmaat	therefore	अत एव	म्हणून
एतत्	Etat	these	इन	या
त्रयम्	Trayam	three things	तीनों को	तीन गोष्टींचा
त्यजेत्	Tyajet	one should abandon	त्याग देना उचित है	त्याग केला पाहिजे

अन्वय :-

कामः क्रोधः तथा लोभः इदम् त्रिविधम् आत्मनः नाशनम् नरकस्य द्वारम् (अस्ति) , तस्मात् एतत् त्रयम् त्यजेत् ॥ १६ - २१ ॥

English translation:-

Triple is this gate of hell, destructive of the Self – desire, anger and greed; therefore one should abandon these three.

हिन्दी अनुवाद :-

काम , क्रोध तथा लोभ ये तीन प्रकारके नरकके द्वार आत्माका नाश करनेवाले अर्थात् उसको अधोगतिमें ले जानेवाले हैं। अत एव इन तीनोंको त्याग देना चाहिये।

मराठी भाषान्तर :-

काम , क्रोध आणि लोभ अशी ही तीन प्रकारची आत्मशक्तीचा नाश करणारी नरकाची द्वारे आहेत ; म्हणून या तिन्हींचा त्याग केला पाहिजे .

विनोबांची गीताई :-

काम क्रोध तसा लोभ आत्म - नाशास कारण
तीन हीं नरक - द्वारें टाळावीं चि म्हणुनियां ॥ १६ - २१ ॥

एतैः विमुक्तः कौन्तेय तमः द्वारैः त्रिभिः नरः ।

आचरति आत्मनः श्रेयः ततः याति पराम् गतिम् ॥ १६ - २२ ॥

शब्द	शब्द - उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
एतैः	EtaiH	by these	इन	या
विमुक्तः	VimuktaaH	liberated	मुक्त	सुटलेला
कौन्तेय	Kaunteya	O Arjuna!	हे अर्जुन !	हे अर्जुना !
तमः	TamaH	darkness	नरक के	नरकांच्या
द्वारैः	DvaaraiH	gates of	द्वारोंसे	दारातून
त्रिभिः	TribhiH	by three	तीनों	तीन
नरः	NaraH	man	पुरुष	पुरुष
आचरति	Aacharati	acts	आचरण करता है	आचरण करतो
आत्मनः	AatmanaH	for himself	अपने	स्वतःच्या
श्रेयः	ShreyaH	good	कल्याणका	कल्याणाचे
ततः	TataH	thence	इससे	त्यामुळे
याति	Yaati	he goes	वह जाता है अर्थात् मुझको प्राप्त हो जाता है	जातो म्हणजे माझी प्राप्ती करून घेतो
पराम्	Paraam	supreme	परम	परम
गतिम्	Gatim	goal	गति को	गतीप्रत

अन्वय :-

(हे) कौन्तेय ! एतैः त्रिभिः तमः द्वारैः विमुक्तः नरः आत्मनः श्रेयः आचरति , ततः पराम् गतिम् याति ॥ १६ - २२ ॥

English translation:-

O Arjuna! Liberated from these three gates of darkness, man practices what is good to him and thus attains the supreme goal.

हिन्दी अनुवाद :-

हे अर्जुन ! इन तीनों नरकके द्वारोंसे मुक्त पुरुष अपने कल्याणका आचरण करता है इससे वह परमगतिको जाता है अर्थात् मुझको प्राप्त हो जाता है ।

मराठी भाषान्तर :-

हे अर्जुना ! नरकप्राप्तीच्या या तीन विकारांपासून मुक्त झालेला पुरुष आत्मकल्याणाच्या मार्गाचे अनुसरण करून परमपदाला प्राप्त होतो .

विनोबांची गीताई :-

तमाचीं हीं तिन्ही द्वारें टाळूनि सुटला मग

कल्याण मार्ग सेवूनि पावे उत्तम तो गति ॥ १६ - २२ ॥

यः शास्त्रविधिम् उत्सृज्य वर्तते कामकारतः ।

न सः सिद्धिम् अवाप्नोति न सुखम् न पराम् गतिम् ॥ १६ - २३ ॥

शब्द	शब्द - उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
यः	YaH	he who	जो पुरुष	जो पुरुष
शास्त्रविधिम्	Shaastra-Vidhim	scriptural ordinance	शास्त्रविधि को	शास्त्रांच्या विधींचा
उत्सृज्य	Utsrujya	having cast away	त्यागकर	त्याग करून
वर्तते	Vartate	acts	आचरण करता है	आचरण करतो
कामकारतः	Kaama-KaarataH	under impulse of desire	अपनी इच्छा से मनमाना	आपल्या इच्छेनुसार मनात येईल तसे
न	Na	neither	न	नाही
सः	SaH	he	वह	तो
सिद्धिम्	Siddhim	perfection	सिद्धि को	सिद्धी प्राप्त करून घेत
अवाप्नोति	Avaapnoti	attains	प्राप्त होता है	प्राप्त करून घेत
न	Na	nor	न	नाही
सुखम्	Sukham	happiness	सुख को	तसेच सुखही
न	Na	nor	और न ही	नाही
पराम्	Paraam	supreme	परम	परम
गतिम्	Gatim	goal	गति को	गतीही प्राप्त करून घेत

अन्वय :-

यः शास्त्रविधिम् उत्सृज्य , कामकारतः वर्तते ; सः न सिद्धिम् , न सुखम् , न (च) पराम् गतिम् अवाप्नोति ॥ १६ - २३ ॥

English translation:-

He who casts aside scriptural ordinance and acts under the impulse of desire attains neither perfection nor happiness nor the supreme goal.

हिन्दी अनुवाद :-

जो पुरुष शास्त्रविधिको त्यागकर अपनी इच्छासे मनमाना आचरण करता है वह न सिद्धिको प्राप्त होता है न परमगतिको और न सुखको ही ।

मराठी भाषान्तर :-

जो शास्त्रविधीचा त्याग करून , वाटेल तसे आचरण करतो ; त्याला सिद्धीही मिळत नाही , सुखही मिळत नाही आणि परमश्रेष्ठ गतीही प्राप्त होत नाही .

विनोबांची गीताई :-

ज़ो शास्त्र - मार्ग सोडूनि करितो स्वैर वर्तन

न सिद्धि लाभते त्यास न वा सुख न सद् - गति ॥ १६ - २३ ॥

तस्मात् शास्त्रम् प्रमाणम् ते कार्य - अकार्य - व्यवस्थितौ ।

ज्ञात्वा शास्त्र - विधान - उक्तम् कर्म कर्तुम् इह अर्हसि ॥ १६ - २४ ॥

शब्द	शब्द उच्चार	English	हिन्दी	मराठी
तस्मात्	Tasmaat	therefore	इसलिये	म्हणून
शास्त्रम्	Shaastram	scripture	शास्त्र ही	शास्त्रच
प्रमाणम्	PramaaNam	(be) authority	प्रमाण है	प्रमाण आहे
ते	Te	your	तुम्हारे लिये	तुझ्यासाठी
कार्य	Kaarya	ought to be done	कर्तव्य	कर्तव्य
अकार्य	Akaarya	ought not to be done	और अकर्तव्य की	आणि अकर्तव्य
व्यवस्थितौ	Vyavasthitau	in determining	व्यवस्था में	यांची व्यवस्था ठरवण्यात
ज्ञात्वा	Dnyaatvaa	having known	ऐसा जानकर	असे जाणून
शास्त्र - विधान - उक्तम्	Shaastra - Vidhaana - Uktam	what is pronounced in scriptural ordinance	शास्त्रविधि से नियत	शास्त्राच्या विधीने नियत
कर्म	action	action	कर्म ही करनाही योग्य है	कर्मच
कर्तुम्	to do	to do	कर्म ही करनाही	करणे
इह	here	here	इस	या
अर्हसि	you should	you should	तुम्हें योग्य है	तुला योग्य आहे

अन्वय :-

तस्मात् कार्य - अकार्य - व्यवस्थितौ ते शास्त्रम् प्रमाणम् (इति) शास्त्र - विधान - उक्तम् कर्म ज्ञात्वा (तत् त्वम्) इह कर्तुम् अर्हसि ॥ १६ - २४ ॥

English translation:-

Therefore, the scripture is your authority in determining what ought to be done and what ought not to be done. Having known what is pronounced in scriptural ordinance you should perform action here.

हिन्दी अनुवाद :-

इससे तेरे लिये इस कर्तव्य और अकर्तव्यकी व्यवस्थामें शास्त्र ही प्रमाण है । ऐसा जानकर तुम शास्त्रविधिसे नियत कर्म ही करने योग्य हो ।

मराठी भाषान्तर :-

म्हणून कर्तव्य आणि अकर्तव्य यांचा निर्णय करावयास तुला शास्त्रच प्रमाण मानले पाहिजे . शास्त्रांत जे सांगितले आहे , ते कर्म जाणून तेच कर्म करणे , तुला या पृथ्वीतलावर योग्य आहे .

विनोबांची गीताई :-

म्हणूनि आदरीं शास्त्र कार्याकार्य कळावया
शास्त्राचें वाक्य ज़ाणूनि इथें तूं कर्म आचरीं ॥ १६ - २४ ॥

ॐ तत् सत् इति श्रीमद् भगवद् गीतासु उपनिषत्सु ब्रह्मविद्यायाम् योगशास्त्रे
श्रीकृष्णार्जुनसंवादे दैवासुरसम्पद्विभागयोगो नाम षोडशोऽध्यायः॥

हरिः ॐ तत् सत् । हरिः ॐ तत् सत् । हरिः ॐ तत् सत् ।

Om that is real. Thus, in the Upanishad of the glorious Bhagwad Geeta, the knowledge of Brahman, the Supreme, the science of Yoga and the dialogue between Shri Krishna and Arjuna this is the sixteenth discourse designated as "The Yoga of Distinction of Divine and Demonic Nature".

सोळावव्या अध्यायाचा एका श्लोकात मथितार्थ

दैवी प्रकृतिलक्षणें मनिं धरी धैर्य क्षमा प्रौढता ।
चित्तस्वास्थ्य दया शुचित्त्व मृदुता सत्यादि बा भारता ॥
आता दंभ असत्य मत्सरिपणा वर्मी परा बोलणे ।
काम क्रोध अहंकृति त्यज सदा ही आसुरी लक्षणे ॥ १६॥

गीता सुगीता कर्तव्या किम् अन्यैः शास्त्रविस्तरैः ।
या स्वयम् पद्मनाभस्य मुखपद्माद् विनिःसृता ॥

गीता सुगीता करण्याजोगी आहे म्हणजेच गीता उत्तम प्रकारे वाचून तिचा अर्थ आणि भाव अन्तःकरणात साठवणे हे कर्तव्य आहे. स्वतः पद्मनाभ भगवान् श्रीविष्णूंच्या मुखकमलातून गीता प्रगट झाली आहे. मग इतर शास्त्रांच्या फाफटपसाऱ्याची जरूरच काय ?

- श्री महर्षी व्यास

विनोबांची गीताई :-

गीताई माउली माझी तिचा मी बाळ नेणता ।
पडतां रडतां घेई उचलूनि कडेवरी ॥